इंदिरा गांधी राष्ट्रीय जनजातीय विश्वविद्यालय के राष्ट्रीय सेवा योजना के सात दिवसीय कैम्प का समापन

इंदिरा गांधी राष्ट्रीय जनजातीय विश्वविद्यालय अमरकटंक की राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई के सात दिवसीय कैम्प का समापन 9 फरवरी 2015 को आगनबाडी भवन बिजौरी में किया गया । यह कैम्प 3 फरवरी 2015 से प्रारम्भ हुआ था। कैम्प के समापन के शुभ अवसर पर मुख्य अतिथि के रुप में अमरकटंक, विश्वविद्यालय के समाजविज्ञान संकाय के संकायाध्यक्ष प्रो. आलोक श्रोत्रिय एवं विशिष्ट अतिथि के रुप में विश्वविद्यालय के ही विज्ञान संकाय के संकायाध्यक्ष प्रों अवधेश कुमार शुक्ला उपस्थित थे। इस कार्यक्रम का शुम्भारम्भ अतिथियों एवं विश्वविद्यालय राष्ट्रीय सेवा योजना के समन्वयक डॉ. मोहन लाल चढार एवं कार्यक्रम अधिकारी डॉ हरित कुमार मीणा द्वारा स्वामी विवेकानंन्द की प्रतिमा माल्यापर्ण एवं पुष्प अर्पित कर किया गया। इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रुप में प्रो. आलोक श्रोत्रिय ने व्याख्यान देते हुए कहा कि विश्वविद्यालय के इस सात दिवसीय शिविर का समापन पर सभी राष्ट्रीय सेवा योजना के स्वयसेवकों को शपथ लेना चाहिए कि बिजौरी ग्राम के लोगों से सतत् सम्पर्क बनाये रखे और समाज के उत्थान के कार्य करते हुए देश का विकास करे एवं सभी स्वयं सेवक एक दूसरे का सहयोग करे। विशिष्ट अतिथि ने अपने वक्तव्य में कहा कि राष्ट्रीय सेवा योजना के माध्यम से छात्रों के व्यक्तित्व का विकास होता है, गॉव के परिवेश से जुडने का अवसर मिलता है, शिविर में छात्रों को समूह में काम करने की प्ररेणा मिलती है। समाज सेवा के कार्य से छात्रो का आत्मविश्वास बढ़ता है। डॉ. मोहन लाल चढार ने कहा कि राष्ट्रीय सेवा योजना के सात दिवसीय शिविर में छात्रों ने ग्राम बिजौरी, ग्राम ताली, ग्राम भरणी, ग्राम लालपुर, ग्राम पंचायत पोंडकी का सामाजिक आर्थिक सर्वेक्षण किया जो इस शिविर की महत्वपूर्ण उपलब्धी रही, सभी छात्रों ने पूर्ण अनुशासन मे रहकर गॉव के लोगो को जागरुक किया। राष्ट्रीय सेवा योजना के विश्वविद्यालय ईकाई के कार्यक्रम अधिकारी डॉ हरित कुमार मीणा ने बताया कि कैम्प मे सात दिनों में विभिन्न गतिविधियॉ की गयी। उन्होने बताया कि कैम्प के दौरान ग्राम में हैण्डपंम्पों के पास शोक्ता गड्डे बनाये गये, स्वच्छ भारत अभियान, साक्षरता अभियान स्वास्थ्य जानकारी, शुद्ध पानी की जानकारी, परिवार नियोजन की जानकारी, नागरिक सुरक्षा एवं सरकारी योजनाओं की जानकारी राष्ट्रीय सेवा योजना के स्वयं सेवकों द्वारा दी गयी। अतिथिया ने स्वय सेवको को शिविर सहभागिता के प्रमाण पत्र भी वितरित किये।

शिविर के दौरान 8 फरवरी को विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टी.व्ही. कट्टीमनी जी ने बिजौरी ग्राम के लोगों को शिविर में सम्बोधित किया। उन्होंने बताया कि इस क्षेत्र के लोगों को शिक्षित करने के लिए ही विश्वविद्यालय बना है, ग्राम के लोग विश्वविद्यालय मे पढकर इस क्षेत्र का नाम रोशन करे। उन्होने ग्रामबासियों को बताया कि सभी को अपने मकानों के आसपास स्वच्छता पर विशेष ध्यान देना चाहिए। इसके साथ ही बौद्धिक कार्यक्रम एवं सांस्कृतिक कार्यक्रमों में विश्वविद्यालय के विभिन्न शिक्षाविद्ो प्रो. हौसिला प्रसाद, प्रों. तीर्थेश्वर सिंह, प्रों. दिलीप सिंह, डॉ. अजय वाघ, डॉ शैलेन्द्र भदौरियॉ, प्रो सम्पद श्वान, डॉ.खेमसिंह डेहिरिया, डॉ. राकेश सोनी, डॉ. विनय कुमार, डॉ. खेमचन्द्र देवागन, डॉ. नागेन्द्र सिंह, डॉ नरसिंह कुमार विश्वविद्यालय के पुस्तकालय अध्यक्ष, वित्तअधिकारी एवं उपकुलसचिव श्री रमेश परिहार ने छात्रों के सर्वार्गीण विकास हेतु व्याख्यान दिये। शिविर के दौरान विभिन्न खेलो कबडडी, खो–खो, बालीबाल, इत्यादि का आयोजन किया किया। कार्यक्रम का संचालन राष्ट्रीय सेवा योजना के स्वयं सेवक श्री विद्रावन मेहर ने किया एवं अन्त में आभार राष्ट्रीय सेवा योजना स्वयं सेवक श्री विकास चंदेल ने व्यक्त किया। इस कार्यक्रम में बडी संख्या में ग्रामवासी एवं बच्चे उपस्थित थे।

डॉ. मोहन लाल चढार
समन्वयक, राष्ट्रीय सेवा योजना
इंदिरा गांधी राष्ट्रीय जनजातीय विश्वविद्यालय अमरकटंक